


---

AratI yogeshvarIchI 1

——  
आरती योगेश्वरीची १

——  
Document Information



---

Text title : Shri Yogeshwari Arati 1

File name : yogeshvarIAratImarAThI1.itx

Category : devii, devI, AratI

Location : doc\_devii

Acknowledge-Permission: <http://chitpavanfoundation.org/Chitpavans/>

Latest update : January 28, 2019

Send corrections to : [sanskrit at cheerful dot c om](mailto:sanskrit at cheerful dot c om)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 17, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



आरती योगेश्वरीची १

---



जयदेवी जयदेवी जय योगेश्वरीमाते । जय योगेश्वरीमाते ।  
कुलस्वामिनी जगदंबे करुणामृतसरिते ॥ ध्रु. ॥


धर्माला ये ग्लानी, स्थिति केविलवाणी ।  
असुरे पीडित जनता, त्राता तिज न कुणी ।  
साद घाली तुज अंबे धाव धाव जननी ।  
धावा पडता श्रवणी, घेशी धाव झणी ।  
जयदेवी जयदेवी जय योगेश्वरीमाते ॥ १ ॥  
असुराते निर्दालुनि, धर्मा रक्षियले ।  
सज्जनपालन केले, दुर्जन मर्दियले ।  
विश्रांतीस्तव निर्जन स्थाना शोधियले ।  
आंबग्रमानिकटी वास्तव्या केले ।  
जयदेवी जयदेवी जय योगेश्वरीमाते ॥ २ ॥

वेदपुराणे थकली गाता तुज जेथे ।  
काय पामरे गावे वद तव महिम्याते ।  
दिगंत कीर्ती तव ही त्रिभुवनि दुमदुमते ।  
भावे भजता भक्ते पावशि झणि त्याते ।  
जयदेवी जयदेवी जय योगेश्वरीमाते ॥ ३ ॥  
दुःसह भव हा तोडी या भव पाशाते ।  
जनन-मरण हे तेची चुकवी झणि माते ।  
मागत काहि न माते तव पदकमलाते ।  
द्यावा तव पदि आश्रय नत अज्ञाताते ।  
जयदेवी जयदेवी जय योगेश्वरीमाते ॥ ४ ॥

---

——  
*Arati yogeshvarIchI 1*

pdf was typeset on September 17, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

